गायत्री चालीसा

॥ दोहा ॥

ह्रीं, श्रीं क्लीं मेधा, प्रभा,

जीवन ज्योति प्रचंड।

हिन्दीपथ.कॉम

शांति क्रांति, जागृति, प्रगति,

रचना शक्ति अखंड॥

जगत जननि, मंगल करनि,

गायत्री सुख धाम।

प्रणवों सावित्री,

स्वधा स्वाहा पूरन काम॥

॥ चौपाई ॥

भूर्भुवः स्वः ॐ युत जननी,

गायत्री निज कलिमल दहनी।

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

अक्षर चौबीस परम पुनीता,

इसमें बसे शास्त्र, श्रुति, गीता।

शाश्वत सतोगुणी सतरूपा,

सत्य सनातन सुधा अनूपा ।

हंसारूढ़ श्वेताम्बर धारी,

स्वर्ण कांति शुचि गगन बिहारी।

पुस्तक, पुष्प, कमण्डलु,

माला, शुभ्र वर्ण तनु नयन विशाला।

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

ध्यान धरत पुलकित हिय होई,

सुख उपजत दुःख-दुरमति खोई।

कामधेनु तुम सुर तरु छाया,

निराकार की अद्भुत माया।

तुम्हारी शरण गहै जो कोई,

तरै सकल संकट सों सोई।

सरस्वती लक्ष्मी तुम काली,

दिपै तुम्हारी ज्योति निराली।

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

तुम्हारी महिमा पार न पावैं,

जो शारद शतुमख गुण गावें।

चार वेद की मातु पुनीता,

तुम ब्रह्माणी गौरी सीता।

महामन्त्र जितने जग माहीं,

कोऊ गायत्री सम नाहीं।

सुमिरत हिय से ज्ञान प्रकासै,

आलस पाप अविद्या नासै।

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

सृष्टि बीज जग जननि भवानी,

कालरात्रि वरदा कल्याणी।

ब्रह्मा विष्णु रुद्र सुर जेते,

तुम सों पावें सुरता तेते।

तुम भक्तन की भक्त तुम्हारे,

जननिहिं पुत्र प्राण ते प्यारे।

महिमा अपरम्पार तुम्हारी,

जय जय जय त्रिपदा भयहारी।

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

पूरित सकल ज्ञान विज्ञाना,

तुम सम अधिक न जग में आना।

तुमहिं जान कछु रहै न शेषा,

तुमहिं पाय कछु रहै न क्लेशा।

जानत तुमहिं तुमहिं हैरी जाई,

पारस परसि कुधातु सुहाई।

तुम्हारी शक्ति दिपै सब ठाई,

माता तुम सब ठौर समाई।

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

ग्रह नक्षत्र ब्रह्माण्ड घनेरे,

सब गतिवान तुम्हारे प्रेरे।

सकल सृष्टि की प्राण विधाता,

पालक, पोषक, नाशक, त्राता।

मातेश्वरी दया व्रतधारी,

मम सन तरै पातकी भारी।

जा पर कृपा तुम्हारी होई,

तापर कृपा करे सब कोई।

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

मन्द बुद्धि ते बुद्धि बल पावै,

रोगी रोग सहित ह्वै जावैं।

दारिद मिटे, कटे सब पीरा,

नाशै दुःख हरै भव भीरा।

गृह क्लेश चित चिन्ता भारी,

नासै गायत्री भय हारी।

सन्तनि हीन सुसन्तति पावें,

सुख सम्पत्ति युत मोत मनावें।

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

भूत पिशाच सबै भय खावें,

यम के दूत निकट नहिं आवें।

जो सधवा सुमिरे चित लाई,

अछत सुहाग सदा सुखदाई।

घर पर सुखप्रद लहै कुमारी,

विधवा रहें सत्यव्रत धारी।

जयति जयति जगदंब भवानी,

तुम सम और दयालु न दानी।

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

जो सद्गुरु सों दीक्षा पावें,

सो साधन को सफल बनावें।

सुमिरन करें सुरूचि बड़ भागी,

लहै मनोरथ गृही विरागी।

अष्ट सिद्धि नवनिधि की दाता

सब समर्थ गायत्री माता।

हिन्दीपथ.कॉम

ऋषि-मुनि, यति, तपस्वी, योगी,

आरत, अर्थी, चिन्तन, भोगी।

जो जो शरण तुम्हारी आवै,

सो सो मन वांछित फल पावै।

बल, बुद्धि, शील, विद्या, स्वभाऊ,

धन, वैभव, यश, तेज, उछाऊ।

सकल बढ़े उपजें सुख नाना,

जो यह पाठ करै धरि ध्याना।

हिन्दीपथ.कॉम

॥ दोहा ॥

यह चालीसा भक्ति युत,

पाठ करें जो कोय।

तापर कृपा प्रसन्नता,

गायत्री की होय॥

हिन्दीपथ.कॉम

अन्य चालीसा पढ़े

- हनुमान चालीसा
- शिव चालीसा
- दुर्गा चालीसा
- शनि चालीसा
- गणेश चालीसा
- लक्ष्मी चालीसा
- राम चालीसा
- विष्णु चालीसा
- गायत्री चालीसा
- काली चालीसा
- भैरव चालीसा
- सरस्वती चालीसा
- कृष्ण चालीसा
- सूर्य चालीसा
- महावीर चालीसा
- साईं चालीसा
- महाकाली चालीसा
- तुलसी चालीसा
- बगलामुखी चालीसा
- गोरख चालीसा
- गोपाल चालीसा
- नवग्रह चालीसा
- रविदास चालीसा
- बाला जी चालीसा
- महालक्ष्मी चालीसा
- पार्वती चालीसा

- खाटू श्याम चालीसा
- रामदेव चालीसा
- राधा चालीसा
- विश्वकर्मा चालीसा
- पितर चालीसा
- बटुक भैरव चालीसा
- जाहरवीर चालीसा
- गिरिराज चालीसा
- नर्मदा चालीसा
- प्रेतराज चालीसा
- संतोषी चालीसा
- गंगा चालीसा
- शारदा चालीसा
- ललिता चालीसा
- अन्नपूर्णा चालीसा
- श्री वैष्णो चालीसा
- परशुराम चालीसा
- विन्ध्येश्वरी चालीसा
- ब्रह्मा चालीसा
- शाकम्भरी चालीसा
- राणी सती चालीसा
- गंगाराम चालीसा
- बालक नाथ चालीसा
- मोहन राम चालीसा
- शीतला चालीस